bZ-,p-Mh&5

Lukrd mikf/k dk;ZØe
¼Ckh-Mh-ih-½

Lk=h; dk;Z
¼tqykbZ] 2015 ,oa tuojh] 2016 l=ksa ds fy,½

ikB;Øe dksM% bZ-,p-Mh&5
fgUnh esa ,sfPNd ikB~;Øe&5

Ekkufodh fo|kihB
bfUnjk xka/kh jk"Vªh; eqDr fo'ofo|ky;
eSnkux<+h] ubZ fnYyh&68

fgnh e ,fPNd ikB;Øe&05

l=h; dk;l

ikB;Øe dkM % c

प्रिय छात्र/छात्राओ,

विश्वविद्यालय की नयी नीति के अनुसार हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम–5 में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएंगे।

mnns'; % शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है, उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में आधुनिक भारतीय साहित्यः नवजागरण और राष्ट्रीय आंदोलन से आपको परिचित कराया गया है। सत्रीय कार्य से आप ये जाँच सकेंगे कि आपने पाठ्यक्रम में प्रस्तुत इकाइयों को कितना समझा है।

funs'k %सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर.पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर.पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध हैं।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक :...

नाम : ....

पता : ....

....

दिनांक : ....

पाठ्यक्रम शीर्षक :...

सत्रीय कार्य कोड : ....

अध्ययन केंद्र का नाम/कोड : ....

---

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
7. अपनी लिखावट में उत्तर दें।
8. सत्रीय कार्य की उत्तर. पुस्तिका जाँच के लिए अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास जमा करा दें।

Lk=h; dk;l tek djkus dh frfFk

जुलाई 2015 सत्र के लिए	:	31 मार्च 2016
जनवरी 2016 सत्र के लिए	:	30 सितंबर 2016

ukV% ;kn j[k fd ijh{kk e cBu l iol l=h; dk;l tek djkuk vfuok;l g vU;Fkk vkidk ijh{kk e cBu dh vuefr ugh nh tk,xhA

l=h; dk;l dk fy, vko';d funi'k

इस सत्रीय कार्य में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं। एक है निबंधात्मक प्रश्न और दूसरे हैं टिप्पणीपरक प्रश्न। निबंधात्मक प्रश्न लगभग 500 शब्दों में लिखें जाने हैं, और टिप्पणीपरक प्रश्न लगभग 200–250 शब्दों में लिखे जाने हैं। लेकिन इन सभी मामलों में उत्तर आपको अपने शब्दों में लिखना है।

1. **v/;;u %** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2 **vH;kl %** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

   यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

   क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,

   ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

   घ) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और

   ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3 **iLrfr %** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

'kHkdkeukvka lfgr

fgUnh e: ,fPNd ikB~;Øe&05
l=h; dk;Z
2015&16

ikB~;de dksM % b-,p-Mh-&05
l=h; dk;Z dksM % b-,p-Mh- 05@Vh-,e-,&01@2015&16
dqy vad % 100

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. आधुनिक युग का अर्थ स्पष्ट करते हुए यह बताइए कि इस संदर्भ में अपने देश के समाज एवं साहित्य में क्या परिवर्तन आया ?

   अथवा

   राष्ट्रीय स्वाधीनता से संबंधित साहित्य की समीक्षा कीजिए।

2. माईकल मधुसूदन दत्त रवीन्द्रनाथ आदि लेखकों ने बंगाल के नवजागरण में क्या प्रभाव डाला ? विवेचना कीजिए।

   अथवा

   ओड़िया साहित्य में व्यक्त सामाजिक चेतना पर एक निबंध लिखिए।

3. तमिल रचनाकारों ने राष्ट्रीय आंदोलन में क्या भूमिका निभाई ? विवेचना कीजिए।

   अथवा

   वीरेशलिंगम् के समाज सुधार पर एक आलेख लिखिए।

4. असमिया साहित्य में व्यक्त नवजागरण का विश्लेषण कीजिए।

   अथवा

   मलयालम भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार मुहम्मद बशीर के सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालिए।

5. महात्मा जोतीबा फुले के विचारों ने मराठी साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया ? विवेचना कीजिए।

   अथवा

   गुजराती के प्रमुख साहित्यकारों के सामाजिक योगदान की समीक्षा कीजिए।

6. भारतेन्दु के नाटकों में व्यक्त सामाजिक चेतना पर एक निबंध लिखिए।

   अथवा

   निराला के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए।

   (क) बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर
   (ख) महादेवी वर्मा
   (ग) कश्मीरी कवि दीनानाथ नादिम
   (घ) रामनरेश त्रिपाठी
   (ङ) इकवाल